हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 17 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 8.8 डिग्री

12 विधायक ने किया करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन

12 खाटू नरेश के जयकारों से सरोबार हुई पीतल नगरी, निशान यात्रा से भक्तिमय हुआ शहर

खबर संक्षेप

दहेज की मांग पर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 4 जनवरी को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने शिव नगर निवासी महेश को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंड। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर माजरा के पास सड़क हादसे के बाद गत 11 फरवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में कार की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने नाईवाली चौक के पास रह रहे मूल रूप से महेंद्रगढ़ के उनिंदा निवासी सुभाष को गिरफ्तार कर लिया। उसकी होंडा अमेज कार को भी पुलिस ने कब्जे में लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले के तीन आरोपी की गिरफ्तार

बावल। कसोला थाना पुलिस ने सांपली गांव में बीते वर्ष हुई मारपीट के बाद दर्ज मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत वर्ष 5 फरवरी को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित पक्ष ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने सांपली निवासी लक्ष्मी, कैलाश देवी व रेखा को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत वर्ष 9 अक्टूबर को कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के मतलावास निवासी सुमित्रा, संतोष और मुखराम को गिरफ्तार किया है। थाना रोहड़ाई पुलिस ने 13 फरवरी को दर्ज किए गए मामले में धनोरा निवासी मोनू कुमार को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

बावल। नांगल तेजू के एक युवक ने संदिग्ध हालात में जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। लगभग 21 वर्षीय प्रतीक अपने चाचा को बाइक पर छोड़ने के लिए गांव से बावल गया था। जब वह वापस घर पहुंचा तो उसकी तबियत बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मामला एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग का लग रहा है। युवती के परिजनों ने युवक के परिजनों को फोन पर चेतावनी दी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच की जा रही है।

पीसी के तुरंत बाद जारी हुए ट्रांसफर आर्डर

चाय पर चर्चा का बहाना, डीएमसी पर सीधा निशाना, सस्पेंड कर्मियों को क्लीनचिट

डीएमसी पर लगाए ईओ ने मानसिक प्रताड़ना के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बीते दिनों अवैतनिक अवकाश का वेतन जारी करने के मामले में एक जेई व लेखाकार को सस्पेंड किए जाने के बाद एक और कर्मचारी को वेतन जारी करने के मामले ने नगर परिषद अधिकारियों में घमासान शुरू कर दिया है। कर्मचारी को वेतन जारी करने के मामले में डीएमसी ने सोमवार को ईओ सुशील कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया, तो ईओ ने भी चाय पर चर्चा के बहाने पत्रकारों को कार्यालय में आमंत्रित कर लिया। चूंकि सरकार की ओर से प्रेस नियमानुसार प्रेस कान्फ्रेंस की कोई अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए ईओ ने इसे 'चाय पर चर्चा' का नाम देकर डीएमसी पर खुलकर निशाना साधा। जिस समय ईओ पत्रकारों के समक्ष डीएमसी पर आरोप लगा रहे थे, ठीक उसी समय उनके तबादला आदेश पर मोहर लग चुकी थी। उनका तबादला पंचकूला मुख्यालय किया गया है। साथ ही सस्पेंड किए जा चुके कर्मचारियों को ईओ ने अपनी ओर से 'क्लीनचिट' देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पत्रकारों से बातचीत में ईओ ने सीधे तौर पर निशाना साधते हुए कहा कि अनुसचित जाति में पैदा होना उनका कसूर नहीं है। डीएमसी उन्हें अनुसूचित जाति का बताकर प्रताड़ित करते हैं। वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। इसके बाद मामला डीसी के संज्ञान में गया तो डीएमसी ने माफी भी मांगी थी। इसके बाद भी वह उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। जेई हैप्पी और लेखाकार जितेंद्र को सस्पेंड करने पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि हैप्पी जेई ने गत वर्ष 18 अगस्त को 4 माह के अवैतनिक अवकाश के लिए आवेदन किया था। उन्होंने आवेदन पर अवकाश की अनुशंसा करते हुए उसे डीएमसी कार्यालय को प्रेषित कर दिया था। डीएमसी ऑफिस से अवकाश पर निर्णय को लेकर उनसे कोई पत्राचार नहीं किया। हैप्पी जेई ने चार माह अवकाश की जगह बीच में ही 17 अक्टूबर को ज्वाइन कर लिया। रूटीन में उसका वेतन भी बन गया। बाद में जब भूल का पता चला, तो जेई ने ब्याज सहित वेतन की राशि वापस खजाने में जमा करा दी। इससे नगर परिषद को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ। डीएमसी ने इसकी शिकायत डीजी से की, तो डीजी ऑफिस ने दोनों को सस्पेंड कर दिया।

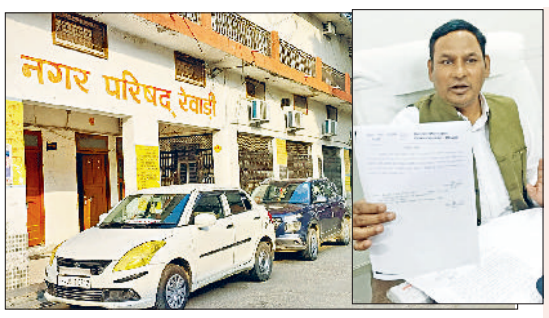

ईओ के आरोप पूरी तरह निराधार

मैंने कभी भी ईओ को किसी मामले में प्रताड़ित करने का प्रयास नहीं किया है। नियमानुसार कार्य किया जा रहा है। जहां भी खामियां नजर आती हैं, वहीं जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। इसके बाद मुख्यालय को रिपोर्ट प्रेषित की जाती है। नगर परिषद मेंअनियमितता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।
-ब्रह्मप्रकाश, डीएमसी।

सूचना नहीं भेजने का लगाया आरोप

ईओ ने आरोप लगाया कि लोकायुक्त की ओर से एक परिवाद पर सुनवाई के लिए नगर परिषद अधिकारी को गत 13 जनवरी को पेश होने के आदेश जारी किए गए थे। यह आदेश डीएमसी आफिस में आए थे, परंतु डीएमसी कार्यालय की ओर से उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। इसी वजह से लोकायुक्त के समक्ष नगर परिषद का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित नहीं हो सका था। इसके बाद लोकायुक्त की ओर से शो कॉज नोटिस भी जारी किया गया था।

सस्पेंड करने के बाद किया बहाल

ईओ ने आरोप लगाया कि डीएमसी ने एचकेआरएन के तहत लगे एक कर्मचारी को पहले सस्पेंड किया और फिर बहाल कर दिया। उन्होंने सरकार के नियम का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे कर्मचारी को पहले चार बार नोटिस दिए जाते हैं। उसके बाद उसकी सेवाओं को बर्खास्त कर दिया जाता है। डीएमसी ने कर्मचारी को सस्पेंड करने के बाद बहाल करने में भी नियमों को पूरी तरह ताक पर रखा था।

क्लर्क को वेतन पर भी दिया जवाब

हाल ही में एक क्लर्क को भी अवकाश के दौरान वेतन दिए जाने का मामला उजागर होने के मामले में भी इओ सुशील कुमार ने स्पष्ट किया एक यह कर्मचारी निजी कारणों से डिप्रेशन में चल रहा था। उसकी सीट बदलने का निर्णय लिया गया था। उसने अवकाश के लिए आवेदन किया था, लेकिन अवकाश नहीं दिया गया था। उसके अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद वह ड्यूटी पर आने लगा था।

एनडीसी के आरोपों को भी नकारा

ईओ ने एक अस्पताल को एनडीसी देने के नाम पर भ्रष्टाचार के आरोपों को भी पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। उन्होंने दावा किया कि जिस बिल्डिंग की एनडीसी का जिक्र किया गया है, उसकी एनडीसी को पांच बार रिजेक्ट किया जा चुका है। अभी तक उसे स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीसी के नाम पर दलाली करने वाले कर्मचारियों की दुकान उन्होंने बंद कर दी है, जिससे ऐसे कर्मचारी बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

हमले में घायल सुरेंद्र धोलिया का पैर कटा

गणतंत्र दिवस के दिन हुआ था हमला

रेवाड़ी। सुरेंद्र उर्फ धोलिया पर हमले का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 26 जनवरी को भालखी की सरपंच के देवर सुरेंद्र उर्फ धोलिया पर हुए हमले के बाद अस्पताल में उपचाराधीन धोलिया का डॉक्टरों ने एक पैर काटना पड़ा है। आपसी रंजिश ने सरपंच प्रतिनिधि की जिंदगी बर्बाद करने का काम कर दिया है। धोलिया पर गणतंत्र दिवस के दिन उस समय जानलेवा हमला हो गया था, जब वह गांव के स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने घर लौट रहे थे। कई हमलावरों ने उनकी कार को टक्कर मारने के बाद बाहर खींचकर बेरहमी से लाठियां बरसाई थीं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मैगजीन बरामद की थी, जिसमें पांच जिंदा कारतूस मिले थे। पुलिस ने आर्म्स एक्ट व हत्या के प्रयास का केस दर्ज करने के बाद कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि कई आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

सरपंच पर हमले से बनी रंजिश

बीते 19 जनवरी को भालखी गांव में नाला निर्माण को लेकर माजरा के सरपंच के साथ भालखी के ग्रामीणों से झगड़ा हो गया था। इस हमले में माजरा के सरपंच रविंद्र हाथी को भी गंभीर चोटें आई थीं। मारपीट मामले में सुरेंद्र उर्फ धोलिया को भी आरोपी बनाया गया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में रंजिश बन गई थी, जो धोलिया के लिए बड़े नुकसान का कारण बन गई। पुलिस अभी जानलेवा हमले के बचे हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

सरपंच प्रतिनिधि को एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद परिजन जयपुर के एक अस्पताल ले गए थे। बताया जा रहा है कि गंभीर चोटों के कारण डॉक्टर उनका पैर नहीं बचा पाए। डॉक्टरों ने परिजनों से विमर्श करने के बाद धोलिया का एक पैर काट दिया, जिससे उन्हें बाकी जिंदगी दिव्यांग के रूप में जीनी पड़ेगी।

कार की टक्कर से कंपनी कर्मचारी की मौत हादसे के बाद डिवाडर से टकराई कार जली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार की रात बावल रोड पर कमालपुर गांव के पास एक कार ने बाइक सवार कंपनी कर्मचारी को टक्कर मार दी। इस हादसे में कंपनी कर्मचारी की मौत हो गई। हादसे के बाद डिवाइडर से टकराई कार में आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। निमोठ निवासी लगभग 27 वर्षीय हरीश कुमार आईएमटी बावल की एक कंपनी में कार्यरत था। रात को लगभग 12 बजे वह कंपनी से ड्यूटी करने के बाद बाइक पर घर लौट रहा था। जब वह कमालपुर के पास करीब पहुंचा, तो एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हरीश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे गंभीरावस्था में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसा इतना भयानक था कि बाइक को टक्कर मारने के बाद कार असंतुलित होकर डिवाडर से टकरा गई। इससे कार में आग लग गई। चालक राजस्थान के सीकर जिले के खरपाराम की ढाणी निवासी मदन ने कार से कूदकर जान बचाई। इसी दौरान पुलिस की ईआरवी और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड ने कार में लगी आग पर काबू पाया।

मृतक हरीश कुमार

■ फायर ब्रिगेड ने कार में लगी आग पर काबू पाया

मेहंदी सूखने से पहले उजड़ा सिंदूर

हरीश अपने पिता रोशन लाल का इकलौता बेटा था। बीते 23 नवंबर को ही उसकी शादी हुई थी। होनी को शायद कुछ और ही मंजूर था, जो रात के समय हरीश काल का ग्रास बन गया। इकलौते पुत्र की मौत से परिवार सदमे में है। गमगीन माहौल में बाद में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दूसरों को नसीहत, खुद मियां फजीहत...

■ पहले वर्दी की धौंस जमाकर डराने का प्रयास, भीड़ जुटने के बाद माफी मांगकर पिंड छुड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दूसरों को नसीहत, खुद मियां फजीहत...रविवार की रात नाईवाली चौक के पास शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मी ने इस कहावत को चरित्रार्थ कर दिया। पुलिसकर्मी ने पहले पिकअप गाड़ी में कार ठोककर लोगों को वर्दी की धौंस दिखाई, जब भीड़ एकत्रित हुई तो माफी मांगकर पिंड छुड़वाया। शिकायत नहीं मिलने के कारण पुलिस ने कोई केस दर्ज नहीं किया था। इस घटना का वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है। रात को नाईवाली चौक से कुछ दूरी पर खड़ी पिकअप गाड़ी को कार सवार पुलिसकर्मी ने टक्कर मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मी कार से बाहर निकला। पिकअप चालक ने उससे बात करने का प्रयास किया, तो वह नशे में धुत्त नजर आया। उसने कहा कि उसकी कार को वहीं रख लो। इसी दौरान आसपास के लोग वहां पहुंच गए। लोगों ने शराब के नशे में धुत्त पुलिसकर्मी का वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

पुलिसकर्मी ने पहले तो वर्दी का रौब जमाया, इसके बाद भीड़ देखकर वह हाथ जोड़ते हुए माफी मांगने लगा। लोग उससे यही सवाल करते रहे कि आम व्यक्ति अगर शराब पीकर गाड़ी चलाए, तो उसका चालान काट दिया जाता है। पुलिसकर्मी ऐसा करे, तो उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती।

शराब के नशे में पुलिसकर्मी ने ठोकी कार

रेवाड़ी। पिकअप को टक्कर मारने के बाद खड़ा पुलिसकर्मी व जमा लोग।

कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त

पुलिसकर्मी ने कार पिकअप में पीछे से ठोकी थी। पिकअप गाड़ी को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, परंतु पुलिसकर्मी की कार आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हाथ जोड़कर माफी मांगने के कारण लोगों ने भी पुलिसकर्मी को जाने दिया। वह कार छोड़कर वहां से चला गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कोई शिकायत नहीं मिली है, जिस कारण कार्रवाई नहीं की गई है। यह भी पता नहीं चल सका कि पुलिसकर्मी की तैनाती कहां है और वह कौन से राज्य की पुलिस में तैनात है।

विधायक ने किया करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सोमवार गांव बालावास जमापुर, लिसाना, काकोड़िया व चिल्हड़ में करोड़ों के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। उन्होंने गांव बालावास जमापुर में गांव से रसूली तक 43 लाख से बनने वाली सड़क का शिलान्यास, गांव लिसाना में लिसाना रेलवे स्टेशन से गोकलगढ़ तक 34.50 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास, गांव काकोड़यिस में गांव के शिव मंदिर से नारायण चौक तक 20.65 लाख की लागत से बनने वाले मार्ग का शिलान्यास, गांव चिल्हड़ में सरकारी स्कूल से भूरथल ठेठर तक 88.58 लाख से बनने वाली सडक, 70.44 लाख से बनने वाले जैतपुर रोड़ से रेवाड़ी-पटौदी लिंक मार्ग, प्रजापत कॉलोनी में 10 लाख की लागत से बनने वाले रास्ते का शिलान्यास व 11 लाख से बनी वाल्मिकी चौपाल, दस लाख से बनी सामान्य चौपाल निर्माण तथा तीन लाख की लागत से हरिजन चौपाल से रामचंद्र की दुकान तक के रास्ते का उद्घाटन किया।

विकास कार्यों को शिलान्यास करते विधायक।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर काकोड़ियां के सरपंच अमन, धनीराम मेहरा, बाबूलाल छावड़ी, रेणूबाला, नानकचंद, खेमचंद सैनी, रामकिशन बसेरा, विनय जेलदार, प्रेम कुमार, जयराज यादव, शीशपाल पूर्व सरपंच, कुलदीप सरपंच मुंढलिया, विजेद्र यादव, रण सिंह बोहरा, महेंद्र मास्टर व कैप्टन देवदत्त सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

बाइक की टक्कर से घायल व्यक्ति की मौत

कोसली। कान्हड़वास गांव के समीप रविवार को हुई सड़क दुर्घटना में मुरलीपुर गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुरलीपुर गांव निवासी बिजेन्द्र कुमार ने दुर्घटना करने वाले अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। कोसली पुलिस को दी शिकायत में मृतक के बेटे ने बताया कि उनके पिता ईश्वर स्कूटी पर कोसली से वापस मुरलीपुर गांव की ओर आ रहे थे कि कान्हड़वास गांव के पास एक मोटर साईकिल चालक ने पीछे से स्कूटी में टक्कर मारकर दी। राहगीरों ने उसे कोसली अस्पताल में पहुंचाया। कोसली अस्पताल वे घायल पिता को रोहतक पीजीआई ले गए, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर अज्ञात बाइक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

झुंडों में लगी आग से हड़कंप फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

कसोला चौक के समीप औद्योगिक एरिया में सोमवार दोपहर बाद खेतों में खड़े झुंडों में आग लग गई। इससे आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। चौक के पास एक कंपनी से कुछ ही दूरी पर खाली जमीन पर झुंडे खड़े हैं। इन झुंडों में अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने आग फैलने की आशंका से तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। इस एरिया की कंपनियों में भी आग की सूचना से हड़कंप मचा रहा। आग पर काबू पाए

आज से मौसम में बदलाव आने का अनुमान, गर्मी के साथ किसानों की चिंता बढ़ी

मौसम के तेवर और हुए तल्ख, पारा पहुंचा 31 डिग्री के पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी माह के दूसरे पखवाड़े में सर्दी की जगह मौसम के गर्म मिजाज ने ले ली है। पारा इस सीजन में पहली बार 31 डिग्री के पार पहुंच गया है, जिससे के समय मौसम गर्म बना हुआ है। मंगलवार से आसमान में बादल छाने के बाद दो दिन तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। सोमवार को सुबह से ही तेज धूप खिलने और आसमान साफ रहने के कारण सर्दी का असर गायब हो गया। अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 31.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 1.2 डिग्री की वृद्धि के साथ 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में 57 प्रतिशत तक नमी रही, जबकि 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। दोनों तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं। गत वर्ष 16 फरवरी को अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री और न्यूनतम 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। तापमान बढ़ने से ठंड का असर सुबह और शाम के समय भी कम होना शुरू हो गया है। लोगों को दिन के समय गर्म कपड़े बदन को चुभने लगते हैं। सुबह और शाम के समय ही गर्म कपड़ों की जरूरत पड़ रही है। अगर मौसम का मिजाज इसी तरह गर्म बना रहा, तो जल्द ही पंखे चलने शुरू हो जाएंगे। मौसम विभाग का अनुमान है कि 17 फरवरी से कमजोर विक्षोभ की सक्रियता मौसम में बदलाव ला सकती है। आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी हो सकती है। दो दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है, जिससे तापमान में भी कमी दर्ज की जा सकती है।

रेवाड़ी। एक खेत में लहलहाती गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

किसानों की चिंता बढ़ने लगी

अचानक मौसम का गर्म होना किसानों के लिए चिंता का सबब बन गया है। गेहूं और सरसों की फसलों में अभी तक मौसम से कोई नुकसान नहीं हुआ है। सरसों की अगेती फसल की कटाई जल्द शुरू होने जा रही है। गर्मी शुरू होने से गेहूं की फसल को नुकसान की आशंका बनी हुई है। दिन के समय गर्मी पड़ने से गेहूं की फसल दीमक की चपेट में आ सकती है। इससे गेहूं समय से पहले सूखना शुरू हो जाता है। दाना कमजोर रहने से उत्पादन में कमी आती है। अगर इस समय बारिश होती है, तो वह फसल के लिए फायदेमंद साबित होती।

पाल्हावास में उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

पाल्हावास गांव स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के उप मंडल कार्यालय में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 17 फरवरी को कार्यकारी अभियंता अनिश कुमार अध्यक्षता में उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायाधिकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में सुबह 10 से 12 बजे तक गलत बिलिंग व रीडिंग, कनेक्शन, मीटर व वोल्टेज से संबधित शिकायतें सुनी जाएगी। शिकायतों से संबंधित कोई कोर्ट केस नहीं होना चाहिए।

हरिभूमि सहेली
रोहतक, मंगलवार
17 फरवरी 2026

वर्किंग वूमेन की घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच बैलेंस की बात खूब होती है। यही समझा जाता है वर्किंग वूमेन की तुलना में हाउस वाइफ की जिंदगी आसान है, जबकि इनकी जिंदगी में भी चैलेंज होते हैं। रोज घर के कामों की लंबी फेहरिस्त, घर के हर सदस्य का ध्यान, रिश्तों का निर्वाह, इन सब के बीच बैलेंस की जरूरत होती है। हम यह क्यों नहीं समझते, हाउस वाइफ को भी 'मी टाइम' चाहिए, जो उसके मेंटल के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

होम लाइफ बैलेंस भी है जरूरी

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बात जब वर्क लाइफ बैलेंस की हो तो कई पहलुओं पर सोचना जरूरी है। वर्किंग वूमेन, घर और वर्किंग रिस्पांसिबिलिटीज की भाग-दौड़ के बीच कैसे अपने लिए समय निकालें? किस तरह खुद को आराम दें? जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के लिए कौन से तरीके अपनाएं? जैसी बातों का खूब जिक्र होता है और फिक्र भी। वहीं घर में रहने वाली महिलाओं पर होम लाइफ बैलेंस को लेकर आमतौर पर कोई बात नहीं होती है, जबकि घर पर ही रहकर हर समय भाग-दौड़ में लगी रहने वाली महिलाओं के लिए भी संतुलित दिनचर्या जरूरी है। घर-आंगन तक सिमटी महिलाओं की लाइफ में भी एक बैलेंस होना जरूरी है।

काम और आराम के बीच संतुलन

हमारे पारिवारिक परिवेश में दफ्तर से लौटी महिला के थकने या व्यस्त रहने की बात तो होती है, लेकिन घर के भीतर भाग-दौड़ में जुटी महिलाओं को लेकर ऐसा कुछ नहीं सोचा जाता। वर्किंग

वूमेन के ट्रैफिक से जूझने, यात्रा कर दफ्तर तक पहुंचने की उलझनों की बात होती है पर होममेकर्स की शारीरिक भाग-दौड़ और ठहरी, सिमटी-सी जिंदगी में बिखरती मनःस्थिति की उपेक्षा ही होती आई है। सुबह से शाम तक अपनों का खयाल रखने की धुरी पर दौड़ती महिलाओं की परेशानियों की ओर किसी का भी ध्यान ही नहीं जाता। जबकि उनके लिए भी आराम और अंतहीन सूची वाले कामों में एक बैलेंस की जरूरत होती है। घर संभालने का दायित्व निभा रही बहू-बेटियां भी थकती हैं। उनकी दिनचर्या भी आसान नहीं होती। हर समय अपनों के लिए कुछ करने को मौजूद रहने वाली अधिकतर स्त्रियां तो रोज घर में सबसे पहले अपने दिन की शुरुआत करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर के छोटे-बड़े सदस्य हर समय कुछ-न-कुछ करने को कहते रहने के बजाय उनके काम और आराम में संतुलन बनाने में मदद करें। कम से कम यह समझने की गलती तो बिल्कुल न करें कि उनका जीवन बहुत आसान है या दिनभर घर पर रहती हैं तो करती ही क्या हैं? कभी ना खत्म होने वाली एक भागम-भाग उनके भी हिस्से होती है। इसीलिए महिलाओं की होम लाइफ में भी बैलेंस जरूरी है।

टाइम मैनेजमेंट भी है आवश्यक

असल में टारगेट सिर्फ ऑफिस में ही नहीं होते। समय सीमा में काम निपटाने, रसोई में कुछ पकाने, रिश्तेदारी में मेल-मिलाप रखने और आस-पड़ोस में लेन-देन निभाने के भी टारगेट होते हैं। समय के सही मैनेजमेंट के बिना घरेलू जिम्मेदारियों की सूची कभी खत्म नहीं हो सकती। ऐसे में खुद महिलाएं भी अपनी संभाल-देखभाल के लिए समय निकालने का प्रयास करें। बात सेहत और फिटनेस के लिए समय निकालने की हो या किसी सहेली से बैठकर बतियाने की। समय प्रबंधन करके ही अपने लिए वक्त निकाला जा सकता है। होम लाइफ में बैलेंस बनाया जा सकता है। देखने में आता है कि नॉन-वर्किंग महिलाओं की पर्सनल लाइफ कहीं पीछे छूट जाती है। अपने हों या पराए, सभी के लिए बहुत कुछ करते हुए भी वे कुछ न करने वाली भूमिका में दिखती हैं। उनका रोल 'टेकन फॉर ग्रांटेड' वाली स्थिति में आ जाता है। दिनभर भाग-भागकर सब कुछ करते रहना अपनों को आम-सी बात लगती है। ऐसे में अपनी सहजता और सुकून के लिए खुद महिलाओं को ही अपने समय का प्रबंधन करना होगा। वरना मल्टीटास्किंग और एकरसता का यह मेल स्ट्रेस और एंग्जाइटी के घेरे में ले आएगा।

बाहर की दुनिया से जुड़ाव

जैसे काम-काजी महिलाओं के लिए घर में आराम से समय बिताना भी एक बदलाव होता है। वैसे घर पर रहने वाली स्त्रियों को बाहर जाने से थोड़ा बदलाव महसूस होता है। उनके मन का मौसम बदलता है। आमतौर पर बच्चे, बड़े या जीवनसाथी कोई इस बात को अहमियत नहीं देता। वीकेंड पर घर पर रहने वाले अपने उनकी व्यस्तता और बढ़ा देते हैं। सगे-संबंधियों के यहां किसी कार्यक्रम में जाने के अलावा उनका कहीं और जाना जरूरी नहीं समझा जाता। जबकि महिलाएं रिश्ते-नातेदारी में जाकर भी कोई ना कोई काम करने में ही जुट जाती हैं। ऐसी आउटिंग को फिक्र से दूर मानसिक शांति और मन के बदलाव के लिए समय बिताना नहीं कहा जा सकता। ऐसे में महिलाएं खुद संतुलन की डगर चुनें। अपनी रुचि को भी प्राथमिकता दें।

काम-काजी महिलाओं के समान ही सुबह-सुबह अपने कामों की सूची बनाएं। हर काम की प्राथमिकता तय करें। अपने 'मी टाइम' को लेकर अपनों से स्पष्ट बात करें। हर समय कुछ-न-कुछ करते रहने के बजाय अपनी लिमिट्स भी तय करें। ऐसा करने से ही होम लाइफ बैलेंस बन सकता है। संतुलन की इन परिस्थितियों में आप अपनी हेल्थ और हॉबीज को समय दे सकेंगी। सही शेड्यूल बनाने से टाइम-टु-टाइम ब्रेक लेना भी सहज होगा। यह समय घर के बाहर की दुनिया से जुड़ने और कुछ नया सीखने जैसी स्ट्रेस फ्री एक्टिविटीज में लगाने से, घर और अपने भीतर के मोर्चे पर संतुलन बना रहेगा। ❀

ऐसे बनाएं खुशहाल दांपत्य जीवन की राह

हर दंपती खुशहाल दांपत्य जीवन की तो कामना करता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर तकरार, अहंकार की वजह से अपने दांपत्य जीवन में कड़वाहट पैदा कर लेता है। इससे पति-पत्नी के बीच दूरियां बढ़ती हैं। दंपती कैसे तनावमुक्त रहें और खुशहाल दांपत्य जीवन की राह बने, जरूरी सलाह।

सलाह
स्नेहा सिंह

शादी के बाद दो लोग सिर्फ एक-दूसरे के जीवन में प्रवेश ही नहीं करते, एक-दूसरे की आदतों, सोच और संस्कारों से भी कहीं ना कहीं प्रभावित होते हैं। विवाह के बाद शुरुआती दिनों में जो बातें प्यारी लगती हैं, वही कुछ दिनों बाद अखरने लगती हैं। इतना ही नहीं बात-बात पर दंपती के बीच तकरार, छोटी-सी असहमति एक बड़ा विवाद का रूप अख्तियार करने लगती है, इससे दूरियां बढ़ती हैं। इन विपरीत स्थितियों में अपने दांपत्य रिश्तों को कैसे सहेजें, इसके लिए किन बातों का ध्यान रखें, जानिए-

बनाए रखें संवादः पति-पत्नी के रिश्ते की बुनियाद आपसी संवाद पर टिकी होती है। लेकिन जब बात करने की जगह चुप्पी ले लेती है तो ऐसे में गलतफहमियां जन्म लेती हैं। अकसर देखा जाता है कि हम अपनी परेशानी बाहर वालों को तो बता देते हैं, लेकिन अपने जीवनसाथी से बात नहीं करते। मन में दबी बातें धीरे-धीरे बड़ी शिकायतें बन जाती हैं, एक दिन विस्फोट के रूप में बाहर आती हैं। इसलिए एक-दूसरे को समझते हुए खुलकर, बिना डरे और आरोप के बात करना रिश्ते को टूटने से बचाता है। इसलिए दांपत्य जीवन में निरंतर संवाद बहुत जरूरी है।

डगमगाने ना दें विश्वासः आपसी विश्वास के बिना दांपत्य जीवन सिर्फ एक समझौता बनकर रह जाता है। शक, संदेह और निगरानी का भाव रिश्ते के अपनत्व और गर्माहट को खत्म करता है। मोबाइल की जांच करना, देर से आने पर सवाल-जवाब करना या हर बात पर संदेह करना, ये सब बातें धीरे-धीरे दांपत्य प्रेम को विषाक्त कर देती हैं, तलाक तक की नौबत आ जाती है। भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहें, संदेह के बजाय विश्वास बनाए रखें।

एक-दूसरे को समय दें: आज के दौर में साथ बैठकर बातें ना करने का सबसे आसान बहाना बन गया है 'बहुत व्यस्त हूं।' माना कि करियर की जिम्मेदारियों के बीच पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं लेकिन दंपती का कभी-कभी साथ बैठकर बातें साझा करना, डिनर-लंच करना या कभी यूं ही टहलने निकल जाना भी जरूरी है। साथ बिताए छोटे-छोटे मिठास भरे पल रिश्ते में जान फूंकते हैं। समय न देना कलह की शुरुआत की वजह बनता है। इसलिए पति-पत्नी एक-दूसरे को यथासंभव समय जरूर दें।

अहंकार से रहें दूरः दांपत्य जीवन में अहंकार सबसे खतरनाक दुश्मन है। 'मैं क्यों झुकूं, गलती तो उसकी है।' ऐसी सोच रिश्ते को खोखला कर देती है। समझदारी इसी में है, स्वयं सही होते हुए भी चुप रह जाएं, ताकि रिश्ता बचा रहे। झुकना हार नहीं, बल्कि रिश्ते की जीत है। माफी मांगना और माफ करना, पत्नी-पति दोनों को आना चाहिए। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

गुस्से पर रखें काबूः गुस्से में बोले गए शब्द कभी-कभी सालों का प्यार पलभर में खत्म कर देते हैं। क्रोध के क्षणों में मौन रहना और बाद में शांत होकर बात करना कहीं ज्यादा प्रभावी होता है। याद रखिए, शब्दों से लगे घाव दिखाई नहीं देते, लेकिन बहुत गहरे होते हैं।

साथ चलने का नाम है दांपत्यः दांपत्य जीवन दो लोगों की साझा यात्रा है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। प्रेम, विश्वास, संवाद और धैर्य, इन चार स्तंभों पर टिका होता है दांपत्य रिश्ता, जो हर कलह से बचाता है। जब हम जीवनसाथी को गहराई से समझने लगते हैं, तो दांपत्य जीवन में मधुरता घुलती है, दंपती खुशहाल रहते हैं। ❀

कई लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी अपनी राय बना लेते हैं। ऐसा जजमेंटल नेचर आपके पर्सनल-सोशल रिलेशन बनाने में बाधक हो सकता है। इसलिए इससे बचना जरूरी है।

क्या आपका नेचर है जजमेंटल ऐसे करें खुद में बदलाव

बिहेवियर
ललिता गोयल

हमारे आस-पास कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो किसी भी व्यक्ति या घटना को देखकर बहुत जल्दी अपनी राय बना लेते हैं। वे बिना ज्यादा सोचे-समझे किसी के भी बारे में अपनी राय कायम कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति जजमेंटल नेचर वाले होते हैं। ऐसे लोग अकसर दूसरे में कमियां खोजते रहते हैं।

ऐसे होती है पहचानः आपके आस-पास का कोई व्यक्ति जजमेंटल नेचर का है, इसे आप उसके कुछ बर्तावों से पहचान सकती हैं।

- ऐसे लोग खुद को बहुत अहमियत देते हैं और सामने वाले को छोटा समझते हैं।
- खुद को समझदार और हर विषय का जानकार मानते हैं।
- ये लोग अपनी सलाह खुद देने लगते हैं और दूसरों को अपनी सलाह को मानने के लिए बाध्य भी करते हैं।
- जजमेंटल नेचर वाले लोगों का व्यवहार थोड़ा जिद्दी होता है और वे हमेशा दूसरों से आगे निकलने की चाह में रहते हैं।
- वे अपनी राय को सर्वोपरि मानकर दूसरों की राय को महत्व नहीं देते हैं।
- ऐसे लोग बातचीत के दौरान अकसर तेज आवाज में बोलते हैं।
- ये लोगों को हमेशा 'अच्छे' या 'बुरे' के तराजू में तौलते रहते हैं और अपने आप को सही साबित करने के लिए दूसरों की निंदा और कमियां खोजने से भी नहीं हिचकिचाते हैं।
- ऐसे लोग दूसरों की तारीफ करने या उन्हें प्रोत्साहित करने से बचते हैं।
- ऐसे लोग नकारात्मक सोच के होते हैं।

ऐसे बर्ताव से खुद को बचाएं: अगर आपको उक्त में से कोई बर्ताव खुद में नजर आता है तो आप कुछ बातों पर अमल करके इसमें सुधार कर सकती हैं। जजमेंटल होने से बच सकती हैं।

पूरे नेचर को परखें: कभी-कभी लोग कुछ ऐसा कर जाते हैं, जिसे आप सही नहीं समझते, जैसे किसी के लंच में से उठाकर खा लेना या फिर बाजार में खूब मोलभाव करना। ऐसे में जरूरी है, कि उन्हें उनके बर्ताव के हिसाब से न जज किया जाए। हो सकता है कि उनमें ऐसी कई पॉजिटिव क्वालिटीज भी हों, जिन्हें आपने अभी तक देखा ही नहीं हो। इसलिए किसी डिसीजन पर पहुंचने से पहले पूरी तरह परख लें।

खुद को सामने वाले की जगह पर रखकर देखें: हर इंसान की स्किल्स, नेचर, उनकी जिंदगी के अनुभवों, रहन-सहन के अनुसार होता है। उनकी पर्सनालिटी में उनके साथ किया हुआ बर्ताव, उनकी परिस्थितियां काफी अहम भूमिका अदा करती हैं। इसलिए किसी इंसान को अच्छे से जाने बिना उनके बारे में राय न बनाएं।

अपीयरेंस से न जज करें: हर इंसान अपनी पसंद कंफर्ट के अनुसार तैयार होता है। इस आधार पर उनकी पर्सनालिटी के बारे में जज करना सही नहीं होता। अगर किसी ने टैटू बनवाए हुए हैं तो उसके बारे में यह राय बनाना कि वो गंभीर व्यक्ति नहीं हो सकता, सही नहीं है। इस सोच से उबरना चाहिए।

राय बनाने से पहले लें कुछ वक्तः किसी भी इंसान से सिर्फ 5 मिनट बात करने के बाद उसके बारे में कोई राय बना लेना सही नहीं होता, क्योंकि इतने कम समय में कोई किसी के भी बारे में सब कुछ कैसे जान सकता है। किसी भी इंसान के बारे में अपनी तरफ से राय बनाने से पहले, आपको उनके बारे में सब कुछ जानने की कोशिश करनी चाहिए। किसी के बारे में कोई भी राय बनाने से पहले एक-दूसरे को अच्छी तरह जानने-समझने का मौका दें, नहीं तो सामने वाला भी आपके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जान पाएगा और एक अच्छा रिश्ता बनाने से चूक सकते हैं। ❀

जैसी हो स्किन-वैसी करें केयर

स्किन केयर
प्रीति गुप्ता

आपकी स्किन हमेशा सॉफ्ट और ग्लोइंग नजर आए, इसके लिए आपको पहले इसके नेचर को समझना होगा। इसके अनुसार जब आप अपनी स्किन केयर करेंगी तो वो हमेशा ग्लोइंग नजर आएगी। यहां आपको बता रहे हैं कि ड्राय और ऑयली स्किन वाली महिलाएं उनकी केयर कैसे कर सकती हैं?

ड्राय स्किन के लिएः अगर आपकी स्किन ड्राय नेचर की है तो आपको यहां बताई जा रही बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

- स्किन क्लीनिंग के लिए हमेशा माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें।
- हर रोज दिन में कम से कम दो बार क्रीम-बेस्ड या हाइड्रेटिंग फेस वॉश से चेहरा साफ करें।
- नहाने के तुरंत बाद मॉयश्चराइजर या कोई जैल क्रीम लगाएं, ताकि स्किन में नमी बनी रहे।
- गुनगुने पानी से ही चेहरा धोएं। बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करने से स्किन की ड्रायनेस बढ़ जाती है।
- हफ्ते में कम से कम एक-दो बार स्क्रब करना न भूलें। स्क्रबिंग करने से डेड स्किन हटती है, चेहरे पर नया ग्लो नजर आता है। लेकिन ध्यान रखें कि स्क्रबिंग ज्यादा न करें।
- फेस क्लीनिंग और स्क्रबिंग के बाद होममेड फेस पैक अप्लाई कर सकती हैं। आप अपनी पसंद या चीजों की उपलब्धता के अनुसार दूध और शहद का फेस पैक अप्लाई कर सकती हैं। या फिर एलोवेरा जैल और नारियल तेल को मिलाकर भी फेस पैक बनाकर अप्लाई कर सकती हैं।

- जब भी दिन के समय घर से बाहर निकलें तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। ड्राय स्किन के लिए क्रीम-बेस्ड एसपीएफ 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऑयली स्किन के लिएः अगर आपकी स्किन ऑयली है तो इसकी केयर करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- फेस धोने के लिए जैल-बेस्ड फेस वॉश का यूज करें।
- दिन में 2-3 बार ऑयल कंट्रोल फेस वॉश से भी चेहरा धोएं। इससे स्किन पर नजर आने वाला एक्स्ट्रा ऑयल हट जाएगा और फेस फ्रेश नजर आएगा।
- स्किन ऑयली है तो मॉयश्चराइजर लगाना जरूरी नहीं, यह सोच गलत है। मॉयश्चराइजर न लगाने से स्किन और ज्यादा ऑयली हो सकती है। इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं।
- चेहरे को बार-बार न छुएं। इससे पिंपल्स और फेस स्किन ऑयल बढ़ता है।
- आपकी स्किन ऑयली है फिर भी हफ्ते में कम से कम दो बार स्क्रब जरूर करें।
- ऑयली स्किन वाली महिलाओं को भी सनस्क्रीन अप्लाई करना चाहिए।
- सोने से पहले मेकअप जरूर हटा लें। ❀

(स्किन केयर एक्सपर्ट काजल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

इन दिनों के बदलते मौसम में जरा सी लापरवाही से आप बीमार हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए आपको अपनी हेल्थ की एक्स्ट्रा केयर करनी चाहिए। इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

इस मौसम में हेल्थ की करें एक्स्ट्रा केयर

मेडिकल एडवाइस
डॉ. रवींद्र गुप्ता
सीनियर कंसल्टेंट फिजीशियन
सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

इन दिनों मौसम का मिजाज बदल रहा है। दोपहर के वक्त तेज धूप खिली होती है और दिन का तापमान लगभग 25 डिग्री सेल्सियस तक होता है। वहीं शाम ढलते ही ठंडी हवाएं चलने लगती हैं और रात का तापमान 10-12 डिग्री तक पहुंच जाता है। इस दौरान अधिकतर लोग अपनी सेहत की देखभाल के प्रति लापरवाह हो जाते हैं। इससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं होने लगती हैं। आइए जानते हैं, कुछ ऐसी ही समस्याओं और उनके समाधान के बारे में।

पोलेन एलर्जीः फरवरी के महीने में वसंत ऋतु का आगमन हो जाता है और आस-पास के वातावरण में चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिले होते हैं। लेकिन इस दौरान हवा में चारों ओर इन फूलों के पोलेन यानी परागकण उड़ रहे होते हैं। इससे कुछ लोगों को एलर्जी हो जाती है। इस वजह से छींकें आने लगती हैं या सांस लेने में परेशानी होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। इस समस्या से बचाव के लिए घर से बाहर निकलते समय आपको मास्क जरूर पहनना चाहिए।

सर्दी-खांसी-जुकामः दिन का तापमान बढ़ने की वजह से लोग इस मौसम में गर्म कपड़े पहनना कम कर देते हैं, ठंडे पानी और आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों का सेवन शुरू कर देते हैं। ऐसी लापरवाही के कारण उन्हें सर्दी, जुकाम और खांसी जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इससे बचाव के लिए सुबह-शाम गर्म कपड़े जरूर पहनें, घर से बाहर निकलते समय सिर और कान ढंककर रखें। गले के इंफेक्शन से बचाव के लिए नमक मिले गुनगुने पानी से गरारे करें। अदरक, तुलसी वाली चाय पिएं और नहाने के लिए अभी भी ठंडे के बजाय हल्के गरम पानी का ही इस्तेमाल करें।

कमजोर इम्यूनिटी से होती हैं कई समस्याएं: बदलते मौसम में वायरस और बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय हो जाते हैं और जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, उनके शरीर पर ऐसे वायरस आसानी से हमला कर देते हैं, जिससे उन्हें बुखार जैसी समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए अपनी डाइट में संतरा, सेब, मौसंबी, अनार, अमरूद और अंगूर जैसे रंग-बिरंगे मौसमी फलों को प्रमुखता से शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, इससे आपका शरीर संक्रमण से सुरक्षित रहेगा।

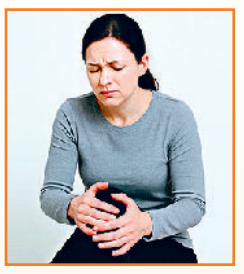

हड्डियों-जोड़ों में दर्दः इस बदलते मौसम में अकसर तेज ठंडी हवाएं चलती हैं, जिससे कुछ लोगों (खासतौर पर पचास से अधिक उम्र के लोगों) को हाथ-पैरों के जोड़ों और हड्डियों में दर्द की समस्या परेशान करती है। जिन्हें पहले से ऑस्टियोपोरोसिस या आर्थराइटिस हो, उन्हें इस मौसम में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जोड़ों को दर्द से बचाने के लिए नी कैप पहनें, गुनगुने तेल की मालिश करें, नियमित वॉक और हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी दर्द से राहत दिलाने में मददगार होती है।

त्वचा संबंधी समस्याएं: बदलते मौसम में तेजी से चलने वाली शुष्क हवाओं के कारण अकसर महिलाओं की त्वचा बहुत ज्यादा रूखी हो जाती है। इससे उन्हें खुजली और रैशेज जैसी समस्याएं परेशान करती हैं। इनसे बचाव के लिए नहाने के बाद पूरे शरीर पर नारियल के तेल या मॉयश्चराइजर से मालिश करें। ❀

प्रस्तुतिः विनीता कुमारी

खबर संक्षेप

गोपाल गोशाला में भजन सुनकर भावुक हुए भक्त

मंडी अटेली। श्री बाल कृष्ण गोपाल गोशाला बिहाली में चल रहे सातवें वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन सुभाष प्रचारी एंड पार्टी ने अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर दानदाताओं ने दिल खोलकर दान पुण्य किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पृथ्वीपुरा निवासी सरपंच शिवदयाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक समिति अध्यक्ष राजेन्द्र चेयरमैन ने मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि गोसेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। मानव को समय–समय पर गोवंश की सेवा करते रहना चाहिए। दान व पुण्य करने से कभी धन की कमी नहीं होती, बल्कि मन को शांति मिलती है। हरियाणवी कलाकार सुभाष प्रचारी ने दुख भजन नाम तेरा, भक्तों के कष्ट हरिया सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया।

विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर बैठक आयोजित

नारनौल। नूनी शेखपुरा मोड़ पर विराट हिंदू सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए देर सायं पांच बजे बैठक बैठक हुई। इसमें गुरु गोविंदसिंह बस्ती के प्रमुख नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर आगामी सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करते हुए सकल हिंदू सम्मेलन समिति, गुरु गोविंद सिंह बस्ती का गठन किया गया। समिति के गठन के साथ ही कार्यक्रम की सफलता हेतु सर्वसम्मति से विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए। जैसा कि नारनौल नगर में संघ रचना के अनुसार 18 बस्तिया है और उक्त हिन्दू सम्मेलन संघ के शताब्दी वर्ष के पूर्ण होने पर बस्ती अनुसार वहां के समाज द्वारा आयोजित किये जा रहे है इसी श्रृंखला में 15 फरवरी देर सांय गुरु गोविंद सिंह बस्ती की बैठक आयोजित की गई । गुरु गोविंदसिंह बस्ती के भौगोलिक क्षेत्र में नूनी अव्वल, शेखपुरा ग्राम, इन दोनों गांवों की ढाणियां तथा कोर्ट के पीछे स्थित बाबा खेता नाथ कालोनी का क्षेत्र सम्मिलित है। यह सम्मेलन 22 फरवरी को सुबह नौ बजे से दोपहर 12:30 बजे होगा। इसके बाद अन्नकूट का आयोजन होगा। सम्मेलन के दौरान कलश यात्रा/झंडा यात्रा निकाली जाएगी, जो श्रीश्याम बाबा मंदिर नूनी शेखपुरा से प्रारंभ होकर माता शीतला मंदिर तक निकाली जाएगी।

बेटियों का घोड़ी पर बनवारा निकाला

नांगल चौधरी। नांगल कालिया के सज्जन सिंह ने बेटियों का घोड़ी पर बनवारा निकालकर समाज को भेदभाव मिटाने और बेटी बचाओ का संदेश दिया है। इस दौरान ग्रामीणों को दहेज प्रथा व लिंग जांच पर अंकुश लगाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि शिक्षित बेटी ही सर्वोत्तम धन है जो दो परिवारों को संपन्न बनाने में मददगार होती है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे हैं। परिजन डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि सज्जन कुमार के दो बेटी व एक पुत्र समेत तीन संतान हैं। बड़ी बेटी संध्या ने एमएससी करने के बाद बीएड उतीर्ण की है। छोटी बेटी एमएससी करके सिविल सर्विस की तैयारी कर रही है।

केवल उन्हीं संस्थानों को अनुमति दी जाएगी जो खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सक्षम होंगे

खेल नर्सरियों के लिए अब 22 तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

फालोअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के खेल विभाग की ओर से आगामी सत्र 2026-27 के लिए खेल नर्सरी स्थापित करने के लिए इच्छुक संस्थान अब 22 फरवरी तक विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पहले इसकी अंतिम तिथि 15 फरवरी थी। यह जानकारी देते उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि खेल नर्सरी स्थापित करने के लिए जिला के सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों और निजी शिक्षण संस्थानों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और भविष्य के चैंपियन तैयार करना है। उन्होंने बताया कि यह खेल नर्सरियां ओलंपिक, एशियन व कॉमनवेल्थ खेलों में चुनिंदा खेलों के लिए स्थापित की जाएंगी। इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए इच्छुक संस्थान सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में स्थित जिला खेल अधिकारी कार्यालय में आकर जानकारी ले सकते हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि खेल नर्सरी आवंटित करने से पहले खेल विभाग द्वारा संस्थानों के खेल बुनियादी ढांचे की गहन जांच की जाएगी। इसमें खेल के मैदान की उपलब्धता, कोच की योग्यता और संस्थान में खेल के प्रति पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि केवल उन्हीं संस्थानों को अनुमति दी जाएगी जो खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सक्षम होंगे।

हरिभूमि
2 माह के लिए खेल नर्सरी बंद, आवेदन के लिए पोर्टल पर 15 तक करना होगा आवेदन

हरियाणा सरकार देगी डाइट मनी

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि खेल नर्सरी की पहल के तहत न केवल संस्थानों को बल्कि सीधे तौर पर खिलाड़ियों को भी लाभान्वित किया जाएगा। खेल नर्सरी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार की नीति के अनुसार छात्रवृत्ति (डाइट मनी) प्रदान की जाएगी।

खेल नर्सरियों का निरीक्षण किया जाएगा

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को बिना किसी वित्तीय बाधा के अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करना है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। निगरानी और प्रशिक्षण की गुणवत्ता प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर इन नर्सरियों का निरीक्षण किया जाएगा। खेल प्रशिक्षकों को आधुनिक कोचिंग तकनीकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जमीनी स्तर पर ही बच्चों की तकनीक को सुधारा जा सके। नरेंद्र कुण्डू ने जिले के अधिक से अधिक शिक्षण संस्थानों और पंचायतों से इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया ताकि ग्रामीण अंचलों की छिपी हुई प्रतिभाओं को सही मंच मिल सके। आपको बताते चले कि इस संबंध में हरिभूमि ने 12 फरवरी के अंक में खबर प्रकाशित की थी।

स्वयंसेवकों को पढ़ाया नैतिकता का पाठ

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में गत 10 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का सोमवार को धूमधाम से समापन हो गया। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को समाजसेवा, अनुशासन, जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ा गया। सातवें एवं अंतिम दिन स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसे प्रधानाचार्य इंजीनियर अनिल यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके पश्चात फायर सेफ्टी विषय पर मॉक ड्रिल प्रशिक्षण राजवीर सिंह द्वारा दिया गया। समापन समारोह में पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने विद्यार्थियों को सामाजिक दायित्व और अनुशासन का संदेश दिया। उन्होंने नैतिक मूल्यों पर चर्चा की और सभी स्वयंसेवकों से इन्हें गंभीरता से जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि अपने विचारों में सदैव सकारात्मकता बरकार रखें और मन लगाकर खूब मेहनत से पढ़े। अच्छा करियर बनाए। जीवन में आगे चलकर यही करियर काम आने वाला है। गलत संगतों से दूर रहे। नशे की लत में न पड़े और अपना व अपने माता–पिता का जीवन बर्बाद न करें। पूरे शिविर के दौरान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी राजेश सैनी के नेतृत्व में अंजनी कुमार, संदीप कुमार सहित संस्थान के स्टाफ सदस्य एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एचटी लाइन को लेकर किसानों ने की महापंचायत, मांगा मुआवजा

जिला प्रशासन से कमेटी बनाकर मार्केट रेट तय करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले के बिजली के बड़े खंभों (एचटी लाइन) से पीड़ित किसानों ने लघु सचिवालय में भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के तत्वावधान में महापंचायत की, जिसमें जिले के करीब 60 गांवों के के पीड़ित किसानों ने भाग लिया और लाइन से प्रभावित होने पर मुआवजे की आवाज बुलंद की। दूसरी ओर एसडीएम ने शीघ्र ठोस कदम उठाकर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

महापंचायत में किसानों ने अपना मत रखा और बताया कि खेतड़ी–नरेला लाइन से पीड़ित किसान बार–बार जिला प्रशासन के पास जाकर एमआरसी कमेटी बनाकर मार्केट रेट तय करने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन पूरे देश व राज्य पर लागू होने वाली पॉलिसी से केवल जिला महेंद्रगढ़ के किसानों को वंचित रखा जा रहा है, जो किसी सूरत में तर्कसंगत नहीं है। ऐसा करके कानूनी प्रावधानों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जिससे जिला प्रशासन भी शक के घेरे में नजर आ रहा है। उन्होंने मांग की कि दूसरी तरफ सीकर–नरेला लाइन से पीड़ित किसानों को उनकी फसल उजाड़ने और प्रॉपर्टी नुकसान का अग्रिम निपटारा करके और एमआरसी द्वारा मार्केट रेट तय करके भुगतान करने के बाद ही कार्य आगे शुरू किया जाए। इन सब पहलुओं को गंभीरता से लेते हुए भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने किसानों की महापंचायत में कहा कि वर्ष 2023 से एचटी लाइन बिजली के बड़े खंभों के विरुद्ध हमने सफल किसान आंदोलन लड़ा है। केंद्र और हरियाणा सरकार ने किसानों की मांगों के मुताबिक वास्तविक मार्केट मूल्य की मुआवजा पॉलिसी बनाकर लागू की है, जिससे किसानों के खेतों से गुजर रही एचटी लाइन से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई पूरी होगी, लेकिन पावर ग्रिड मैनेजमेंट नहीं चाहती कि किसानों को उनका हक मिले और जिला प्रशासन भी पावर ग्रिड के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठा रहा है, लेकिन वह किसी भी कीमत पर किसानों को उनका हक दिलाने का काम करेंगे।

नारनौल। लघु सचिवालय में रोष व्यक्त करते महापंचायत में भाग लेने पहुंचे किसान।

एसडीएम ने दिया ठोस कदम उठाने का आश्वासन

महापंचायत में ही सतेंद्र लोहचब ने किसानो की पैरवी करते हुए जिला प्रशासन को एक घंटे का समय देकर महापंचायत में आकर किसानो की बाते सुनकर उनका समाधान करने का आह्वान किया। तत्पश्चात मार्केट कमेटी के चेयरमैन एवं एसडीएम अनिरुद्ध यादव किसानों के बीच आए और उनकी बातें सुनी। किसानों की मांग अनुसार उन्होंने खेतड़ी–नरेला के किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी तरफ से ठोस कदम सीमित समय में उठाया जाएगा तथा पावरग्रिड के उच्च अधिकारियों व भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से इस मुद्दे के बारे में पत्राचार करके किसानों को बहुत जल्द ही स्थिति से अवगत करवाया जाएगा। एसडीएम ने सीकर–नरेला के किसानो की मांग अनुसार यह आश्वासन दिया कि जब तक उनकी एमआरसी द्वारा मार्केट रेट तय नहीं हो जाता, तब तक कोई प्रशासनिक कार्यवाही पुलिस फोर्स वगैरा किसानों के खिलाफ खेत में नहीं जाएगी। किसानो की मांग अनुसार फसल नुकसान जैसी समस्याओं के लिए एक समाधान शिविर सप्ताह के हर बुधवार को जिला सचिवालय में आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसान आकर अपनी परेशानियों को रख सकें और उसका निपटारा जल्द से जल्द हो।

यह रहे मौजूद

महापंचायत का मंच संचालन रामनिवास पटोदा द्वारा किया गया। इस महापंचायत में चौधरी सुमेर सिंह, जगबीर लोहचब, पारस लोहचब, कवित सरपंच भाटना जाफराबाद, संदीप दलाल गिरावड़ ने अपना समर्थन दिया। जिला महेंद्रगढ़ से किसान प्रतिनिधि मनोज कुमार (गुढ़ा), सत्यवीर प्रिंसिपल, धर्मपाल सरपंच, विनोद चौधरी, ओमप्रकाश, रमेश, महेंद्र, संदीप, छाजूराम रावत, बिजेंद्र, राजू व हिम्मत सहित सैकड़ों किसान व महिलाएं मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

आरपीएस डिग्री कॉलेज का एनएसएस शिविर शुरू

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज के स्वयंसेवकों द्वारा गांव ढाढोत में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश डागर के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें करीब 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में समाजसेवा और श्रम के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना है। शिविर के पहले दिन एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 100 मीटर व 200 मीटर दौड़ और खो-खो खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई,

जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस सात-दिवसीय कैंप के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। दूसरे दिन मंदिर प्रांगण में सफाई अभियान चलाया जाएगा और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से डिजिटल लिटरेसी के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी। प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत देवीलाल पार्क में सफाई की जाएगी और एक जागरूकता रैली निकाली जाएगी।

प्रियांशु ने स्लैट व क्लैट की परीक्षा पास की

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय संघ द्वारा क्लैट की परीक्षा का आयोजन सात दिसंबर को किया गया था। इस क्लैट परीक्षा का परिणाम 16 दिसंबर को घोषित किया गया। इसी प्रकार एसआईयू द्वारा स्लैट प्रथम चरण परीक्षा का आयोजन 20 दिसंबर को किया गया था तथा स्लैट की द्वितीय चरण की परीक्षा का आयोजन 28 दिसंबर को किया गया था। स्लैट परीक्षा का परिणाम 15 जनवरी को घोषित किया गया। मॉडर्न स्कूल के कक्षा 12वीं कला संकाय का छात्र प्रियांशु पुत्र अजय सिंगड़िया ने क्लैट व स्लैट की परीक्षा में उच्चतम स्कोर लेकर परीक्षा पास की। स्लैट की परीक्षा में प्रियांशु ने 60 में से 35 अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार से आठ फरवरी को रेवाड़ी वॉलीबाल संघ के सदस्यों द्वारा राव तुलाराम स्टेडियम में जिला स्तर पर अंडर 14 लड़कों की वॉलीबॉल के लिए ट्रायल प्रतियोगिता हुई। इस ट्रायल प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल के छात्र विंशु पुत्र प्रविंद्र का राज्य स्तरीय अंडर 14 वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। क्लैट व स्लैट की परीक्षा पास करने वाले छात्र प्रियांशु व राज्य स्तरीय अंडर 14 वॉलीबॉल टीम में चयनित विंशु संस्था निदेशक राजकुमार यादव, हवा सिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य नवीन कुमार, मनोज कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, उप प्राचार्य शकुंत शहरावत, वरिष्ठ अध्यापक राम तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

श्रीकृष्णा का साइंस ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोशल साइंस ओलंपियाड में अनेक पदक जीते हैं। प्राइमरी हेड नत्थूराम ने बताया कि बीते नवंबर माह में आयोजित इस ओलंपियाड का परिणाम घोषित हो चुका है। इसमें स्कूल के सात विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक, चार ने रजत पदक और आठ विद्यार्थियों ने कांस्य पदक हासिल किए। विजेता छात्र हुमेश, चिराग, हिमांशु, वेदिका, रिशी, खुशी, दिशा, ध्रुवेश, आराध्या, आनवी, हर्षराज, विराज, जतिन, रेयान, हर्षित, स्नेहा, विराट, साहिल व योगेश को विशेष समारोह के दौरान मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं विद्यार्थियों के तार्किक कौशल और सामान्य ज्ञान को वैश्विक स्तर पर परखने का बेहतरीन मंच हैं। हमारे बच्चों ने न केवल पदक जीते हैं, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि उनमें भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी और समाज सुधारक बनने की पूरी क्षमता है। यह जीत केवल छात्रों की नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों के विश्वास और हमारे शिक्षकों के अथक परिश्रम की जीत है। चेयरपर्सन डॉ. कविता राव ने कहा कि ओलंपियाड का लक्ष्य केवल रैंक लाना नहीं, बल्कि आपकी जिज्ञासा की सीमाओं को चुनौती देना और सीखने की भूख को बढ़ाना है।

शहरवासी लेखक अशोक राव की नई पुस्तक प्रकाशित

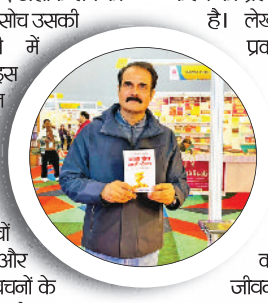

महेंद्रगढ़। शहर के प्रसिद्ध लेखक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए अशोक राव की नई पुस्तक 'उसकी सोच उसकी दौलत' हाल ही में प्रकाशित हुई है। इस पुस्तक का प्रकाशन अस्तित्व प्रकाशन बिलासपुर द्वारा किया गया है। यह पुस्तक जीवन के वास्तविक अनुभवों पर आधारित है और सफलता के आठ वचनों के माध्यम से पाठकों को सकारात्मक सोच, अनुशासन और आत्मविश्वास का मार्ग दिखाती है। लेखक सीए अशोक राव का कहना है कि व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी सोच होती है, परिस्थितियों चाहे जैसी भी हो यदि इंसान की सोच मजबूत है तो सफलता निश्चित है। पुस्तक में लेखक ने अपने छोटे से शहर से दिल्ली जाकर चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई करने के दौरान संघर्षों का सामना करने, अकेलेपन और चुनौतियों से जूझते हुए लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरक यात्रा को साझा किया है। लेखक की इससे पूर्व प्रकाशित काव्य संग्रह 'यादें' भी पाठक द्वारा सराही जा चुकी है। उनकी अगली पुस्तक 'आप हारते नहीं हराए जाते हैं' शीघ्र ही प्रकाशित होने वाली है। लेखक का कहना है कि युवाओं को जीवन में सफलता के लिए यह पुस्तक अवश्य पढ़नी चाहिए। उनकी इस पुस्तक के प्रकाशन पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दान सिंह, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, पूर्व प्रधान विजेंद्र यादव, भगत सिंह यादव, रीना बंटी, हरियाणा यादव महासभा महासचिव एडवोकेट शैलेंद्र सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता व मोदा आश्रम के प्रधान सुधीर दीवान, कुलदीप शर्मा, सुशील शर्मा, नरेश जोशी, पार्षद राजेश सैनी का सहयोग रहा।

विकास कार्य को लेकर विधायक ने अधिकारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हादस में सोमवार को विधायक कंवर सिंह यादव ने विकास कार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएमसी रणबीर सिंह, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, नगर पालिका सचिव गौरव सांगवान, एमई राजेश कौशिक तथा पब्लिक हेल्थ विभाग एसडीओ जियाराम मौजूद रहे। मीटिंग के दौरान विधायक ने महेंद्रगढ़ शहर में बरसात के मौसम में होने वाली जलभराव की समस्या पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाए, नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित हो, ड्रेनेज सिस्टम में सुधार किया जाए तथा इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार की जाए। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि बरसात के दौरान शहरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्ययोजना पर काम करें और विकास कार्यों को तेजी से पूरा करें। उन्होंने महेंद्रगढ़ शहर के विकास कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं तय समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी हों। जनता से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका और संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें।

महेंद्रगढ़। अधिकारियों की बैठक लेते विधायक।

खेलों को बढ़ावा | **दक्षिणी हरियाणा सैनिकों ही नहीं, खिलाड़ियों की खान भी बनेगा**

विश्वपटल पर प्रदेश को चमकाएंगे खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

एकम राइज क्लब नीरपुर राजपूत द्वारा हाफ मैराथन 3.0 की प्री लॉचिंग रेवाड़ी रोड स्थित अपार होटल में की गई, जिसमें टी–शर्ट और मेडल्स लांच किए गए। इस दौरान जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता एकम राइज क्लब के प्रेसिडेंट छत्रपाल चौहान एवं सरपंच गांव नीरपुर (राजपूत) रतनपाल चौहान ने की। एपीएल चेयरमैन नरेश मुदगिल भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम में हाफ मैराथन के ब्रांड एम्बेस्डर शालू डुडेजा, सौरभ, धारा सिंह पृथ्वीपुरा, संजय पंघाल, गौरव चौधरी, श्याम बाबू शर्मा, गुरलीन अरोड़ा, नमित शर्मा, मुकेश जाखड़, इमरोज खान, यश यादव, अजय यादव, भावना गुरानी, कमल जांगड़ा, भैरव प्रताप सिंह एवं संजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि दक्षिणी हरियाणा की पहचान अब तक सैनिकों की खान के रूप में रही है, लेकिन अब यहां खिलाड़ियों की पौध भी तैयार करेंगे और यहां के खिलाड़ी, स्टेट एवं कंट्री ही नहीं, एशिया, इंटरनेशनल एवं ओलंपिक भी खेलेंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में खिलाड़ी तो हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिल रहा। हमारा ऐक्यम राइज क्लब उस कमी को दूर करेगा।

नारनौल। एकम राइज क्लब के मेडल व टी–शर्ट लांच करते जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ऑक्शन किया

इस मौके पर एपीएल 20.2 के लिए प्लेयर्स के लिए ऑक्शन किया गया, जिसमें क्लब के लगभग 150 प्लेयर्स ने आवेदन किया हुआ था। एपीएल 20.2 में 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें ऑल राउंडर, द इनोवेटर, स्टार स्ट्राइकर, अटेली किंग्स, पैंथर्स–11, फार्च्यून ब्रेवर्स, तलवाना टाइगर्स एवं सगुन वाटिका शामिल हैं। इसमें सभी प्लेयर्स पर अलग–अलग टीमों ने बोलियां लगाई। इसमें सबसे ज़्यादा बोली मनजीत यादव राजपुरा को 13 हजार में स्टार स्ट्राइकर के मालिक केपी खोड़ ने खरीदा। उसके बाद ऋतिक राठौर को सगुन वाटिका ने 11 हजार खरीदा।

बढ़ोतरी यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे मंत्रालय ने उठाया यह कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गाड़ी संख्या 19617/19618, मदार-रेवाड़ी-मदार स्पेशल रेलसेवा में मदार से 20 से 28 फरवरी तक एवं रेवाड़ी से 24 फरवरी से चार मार्च तक पांच द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 19620/19619, रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा में 21 फरवरी से एक मार्च तक पांच साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 59632/59631, रेवाड़ी-हिसार-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा में रेवाड़ी से 21 फरवरी से एक मार्च तक एवं हिसार से 22 फरवरी से दो मार्च तक पांच साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 19622/19621, रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा में रेवाड़ी से 22 फरवरी से दो मार्च तक एवं फुलेरा से 24 फरवरी से चार मार्च तक पांच साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

गाड़ी संख्या 59630/59629, फुलेरा-जयपुर-फुलेरा स्पेशल रेलसेवा में 23 फरवरी से तीन मार्च तक पांच साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 09635/09636, जयपुर-रेवाडी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा में दिनांक 23.02.26 से 03.03.26 तक 05 साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

छात्रा सुधा ने विश्वविद्यालय में पाया प्रथम स्थान

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपूर की ओर से वाणिज्य विभाग (ऑनर्स) पांचवां सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा सुधा पुत्री राजेन्द्र प्रसाद ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अंशु पुत्री विरेन्द्र कुमार ने सातवां स्थान और इसी कड़ी में नैन्सी पुत्री सुनील कुमार ने नौवां स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों का परिणाम भी बहुत ही सराहनीय रहा। इसी उपलक्ष्य में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी व सभी अध्यापकों की सराहना की। इस मौके पर संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डा प्रदीप यादव, प्राचार्य बजरंग लाल, डा सोनल यादव व सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे व सभी ने विद्यार्थियों का हौंसला बढाया।

बारह से तेरह साल की हैं तीनों बच्चियां, जीआरपी ने संबंधित पुलिस के हवाले किया

तीन बहनों की मां दुनिया छोड़ गई, शराबी पिता को परवाह नहीं, तीन बच्चियों ने पेट पालने को छोड़ा घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

दो सगी बहनों की मां दुनिया छोड़कर चली गई। शराबी पिता को बच्चियों की कोई परवाह नहीं है। एक बच्ची की मां उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करती। एक ही कक्षा में पढ़ने वाली तीनों बच्चियों ने पैसा कमाने के चक्कर में एक साथ घर छोड़ दिया। जब यह बच्चियां रेलवे स्टेशन पर घूम रही थीं, तो जीआरपी स्टाफ ने प्यार से पूछताछ की। बच्चियों की आपबीती सुनने के बाद जीआरपी ने यूपी के संबंधित थाना पुलिस को बुलाकर बच्चियों को उनके सुपुर्द कर दिया।

रविवार की रात जीआरपी हेड कांस्टेबल पूनम स्टाफ के साथ प्लेटफार्म पर गश्त पर थीं। इसी दौरान उन्होंने प्लेटफार्म पर तीन बच्चियों को घूमते हुए देखा। संदेह होने पर जीआरपी ने तीनों बच्चियों को बैठाकर प्यार से पूछताछ की, तो दिल को झकझोर देने वाली दास्तां सामने आई। इन बच्चियों की उम्र 12 से 13 के बीच है। दो बच्चियां सगी बहनें हैं। तीनों यूपी के जिला महाराजगंज के एक गांव की रहने वाली हैं। दो बच्चियां सगी बहनें हैं और तीसरी बच्ची भी उनके साथ आठवीं कक्षा में पढ़ती है। तीनों गत 14 फरवरी को घर से स्कूल के लिए निकली थीं। इसके बाद स्कूल पहुंचने की बजाय ट्रेन पकड़कर यहां पहुंच गईं। दोनों बहनों ने बताया कि उनकी मां काफी समय पहले मर चुकी है। पिता अक्सर के शराब के नशे में रहता है, जिसे उनकी कोई परवाह नहीं है। दोनों बहनों की आर्थिक जरूरतें भी पूरी नहीं हो रहीं, जिस कारण वह घर छोड़ने पर मजबूर हो गई।

रेवाड़ी। जीआरपी को रेलवे स्टेशन पर मिली किशोरियां। फोटो : हरिभूमि

मां के व्यवहार ने किया परेशान

तीसरी बच्ची ने बताया कि उसके पिता को उसकी कोई परवाह नहीं है। उसकी मां उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार करती है, जिस कारण वह घर में जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर हो गई। तीनों बच्चियों की पारिवारिक स्थिति लगभग समान होने के कारण उन्होंने मिलकर योजना बनाई। उन्होंने अपना गुजारा करने के लिए खुद पैसा कमाने के लिए काम की तलाश करने का निर्णय लिया। इसके बाद वह ट्रेन में सवार होकर यहां स्टेशन पर पहुंच गई।

यूपी पुलिस ले गई तीनों को साथ

जीआरपी ने बच्चियों का पता पूछकर यूपी के महाराजगंज थाना पुलिस से संपर्क किया, तो पता चला कि बच्चियों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है। पुलिस बच्चियों की तलाश कर रही थी। इसके बाद एसआई चंद्रप्रकाश झा अपनी टीम के साथ स्टेशन पर पहुंचे। जीआरपी ने यूपी पुलिस के हवाले तीनों बच्चियां कर दीं। वहां इन बच्चियों और उनके परिजनों की काउंसलिंग कराई जाएगी।

सकुशल भेजी तीनों बच्चियां

तीनों बच्चियों की दास्तां सुनकर इस बात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि मां-बाप को अपने बच्चों के लिए समय निकालना चाहिए। उनके साथ दुर्व्यवहार करने से बचना चाहिए। तीनों बच्चियों को यूपी पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जिन्हें वहां पहुंचने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

-राजेश चेंची, डीएसपी, जीआरपी।

खबर संक्षेप

न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

रेवाड़ी। जिला न्यायिक परिसर में 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने कहा कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम वर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि कोर्ट में अपने लंबित मामलों को आपसी सहमति से हल करा लेने में ही फायदा है, जिससे कि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है। लोक अदालत में आदमी आकर विवाद को सुलझा ले तो यह वहीं समाप्त हो जाता है।

समाधान शिविर पहुंची गांवों की नालियों व जोहड़ के गंदे पानी की समस्या

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर डीसी ने कहा कि समाधान शिविर शिकायतों के निदान का केंद्र बन रहे हैं। शिविरों में आने वाली शिकायतों के समाधान की मुख्यमंत्री स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में गांव मोहनपुर में नाली का जाल टूटने के कारण पानी की रुकावट की शिकायत पर डीसी ने डीडीपीओ को समाधान कराने के निर्देश दिए। गांव महेश्वरी में खेतों में नालियों का गंदा पानी आने से फसल खराब हो रही है, जिस पर डीसी ने बीडीपीओ को जांच करके कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गांव लिलोढ में जोहड़ में गंदे पानी की शिकायत पर डीसी ने डीडीपीओ को जोहड़ की सफाई कराने के निर्देश दिए। इनके अलावा समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, पेंशन, प्रॉपर्टी आईडी, बिजली और पुलिस संबंधित शिकायतें आई, जिनके तय समय में समाधान कराकर समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए।

पुलिस का ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, वाहन चालकों के काटे चालान

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से गत सप्ताह 9 से 15 फरवरी तक जिले में ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़ने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। गत सप्ताह ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 19 चालकों के चालान किए गए। एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वे अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं, साथ ही सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। एसपी ने कहा इसी प्रकार कुछ लोग गाड़ी में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण करने के साथ-साथ लोगों में दहशत और असुविधा पैदा करते है।

निबंध प्रतियोगिता में भारती और प्रीति बनी विजेता

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग की ओर से भारतीय ज्ञान परंपरा यानि आईकेएस के अंतर्गत भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रसार में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विकास बत्रा थे। उन्होंने कहा कि आईकेएस न केवल हमारे अतीत को समझने का माध्यम है, बल्कि यह वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के समाधान का भी मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में इतिहास विभाग की शोधार्थी भारती तथा एमए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रीति ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंजलि और नितिन ने द्वितीय स्थान तथा प्रगति और नेहा ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का आयोजन डा. ऋतु के तत्वावधान में किया गया।

एनएसएस शिविर का उद्देश्य छात्रों को समाज सेवा के प्रति जागरूक करना: डा. नमिता

बावल। राजकीय कॉलेज बावल में सोमवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्डी जय भगवान उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी एनएसएस शिविर की सीख को अपने जीवन में लागू करें और समाज के लिए कुछ सकारात्मक करें। प्राचार्य डा. नमिता ने कहा कि एनएसएस शिविर का उद्देश्य छात्रों को समाज सेवा के प्रति जागरूक करना और उनकी जिम्मेदारियों को समझाना है। इस अवसर पर डा. जोगेंद्र सिंह, डा. इंद्रजीत सिंह, डा. किरण शर्मा, सावित्री देवी, सुदेश देवी, डा. रेखा यादव और देवेन्द्र कुमार सहित सभी कॉलेज स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

निशान यात्रा में करीब 1500 श्रद्धालुओं ने भाग लिया

खाटू नरेश के जयकारों से सराबोर हुई पीतल नगरी

निशान यात्रा से भक्तिमय हुआ शहर

- श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से 22 फरवरी को अनाजमंडी स्थित किसान भवन में होगा विशाल जागरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नई अनाजमंडी में 22 फरवरी को श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से फाल्गुन महोत्सव व विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है। जागरण से पूर्व सोमवार को शहर में खाटू श्याम के जयकारों के साथ भव्य श्री श्याम निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा में करीब 1500 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर से शुरू हुई निशान यात्रा को मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव व प्रकाशचंद गुप्ता मायण वाले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निशान यात्रा के दौरान शहर खाटू नरेश की जय, श्याम बाबा की जय, हारे के सहारे की जय व तीन बाणधारी के जयघोष से शहर गुंजायमान हो गया।

हारे के सहारे की जय व तीन बाणधारी के जयघोष से गुंजायमान हुआ शहर

निशान यात्रा में श्री श्याम बाबा की मनमोहक झांकी भी शामिल रही

जागरण में भंडारे का आयोजन किया जाएगा

श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से 22 फरवरी को अनाजमंडी स्थित किसान भवन में श्याम बाबा के विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में श्रीधाम वृंदावन से गायक कलाकार ध्रुव शर्मा-स्वर्णा श्री, कोलकाता से राज पारीक व पंकज सोनी और गोकलगढ़ रेवाड़ी से संजय शर्मा मनमोहक भजनों से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। जागरण में भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। जागरण शाम 3 बजे से बाबा की इच्छा तक आयोजित होगा।

ये रहे शामिल

निशान यात्रा में चरत अग्रवाल, रवि भट्टेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, मनीष सचदेवा, दीपक अग्रवाल पाल्हावासिया,एडवोकेट धीरज यादव, राजेश अग्रवाल, अचल गुप्ता, सुभाष सोनी, पंडित नवीन भारद्वाज, रजनी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, आरती जैन, हिना, अंजू, कविता व मीनाक्षी सहित हजारों श्याम भक्त शामिल थे।

जागरण में ये करेंगे शिरकत

जागरण में मुख्य अतिथि के रूप में रामा देवी गोयल शिरकत करेंगी। अति विशिष्ट अतिथि पिस्ता अग्रवाल धर्मपत्नी स्व.परसराम अग्रवाल, बृजलाल गोयल कोसली वाले व एडवोकेट धीरज यादव होंगे। विशिष्ट अतिथिके रूप में डा. पवन गुप्ता, राजेन्द्र सिंहल, रामकिशन गुप्ता भालखी वाले, विनयशील गोयल कोसली वाले, हरिओम यादव, किशन कटारिया व भगवानदास सैनी सहित अनेक गणमान्य शिरकत करेंगे। जागरण में बाबा की ज्योत आरडीएस गर्ल्स कॉलेज के प्रधान मुकेश भट्टेवाले करेंगे।

कई जगह हुआ पुष्पवर्षा से स्वागत

निशान यात्रा में पंद्रह सौ के करीब श्रद्धालु शामिल थे। अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर से शुरू हुई निशान यात्रा अग्रसेन चौक, भाड़ावास गेट, पुरानी सब्जी मंडी, मोती चौक, गोकल गेट व केवल बाजार से ठठेरा चौक स्थित श्री श्याम बहादुर जी की गद्दी से होते हुए वापस पुरानी अनाज मंडी, घंटेश्वर महादेव मंदिर, जीवली बाजार, कानोड़ गेट, नाईवाली चौक व अग्रसेन चौक होते हुए अनाज मंडी में सम्पन्न हुई। निशान यात्रा में शहनाई, बैंड, ढप पार्टी व ढोल-नगाड़े शामिल थे। श्यामप्रेमियों की ओर से निशान यात्रा का बाजार में जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। निशान यात्रा में श्री श्याम बाबा की मनमोहक झांकी भी शामिल रही।

रेवाड़ी। निशान यात्रा को रवाना करते हुए विधायक लक्ष्मण सिंह व अन्य अतिथि।

रेवाड़ी। निशान यात्रा में पीली ध्वजा लिए हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। श्याम बाबा की निशान यात्रा में मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। निशान यात्रा में नीली ध्वजा लिए हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

श्यामप्रेमी निशान लेकर खाटूधाम रवाना

रेवाड़ी। रेवाड़ी से खाटूधाम के लिए श्रद्धा और उत्साह से भरी पदयात्राओं की शुरूआत हो चुकी है। सोमवार को सेक्टर-1 स्थित श्री श्याम मंदिर सोलहराही धाम से श्री श्याम दीवाना मंडल के 15 सदस्यीय दल ने पैदल निशान यात्रा का शुभारंभ किया। मंडल के प्रधान मनोज यादव ने कहा कि फाल्गुन का पावन महीना श्याम भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दौरान देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु खाटू श्याम बाबा के दर्शन करने पहुंचते हैं। यात्रा से पूर्व बाबा के भव्य रथ को आकर्षक ढंग से सजाया गया। इस अवसर पर श्याम दीवाना मंडल के बहादुर सैनी, ज्योति वर्मा, बिट्टू, सन्नी नागपाल, नवनीत सोनी, वंश सोनी, कार्तिक सैनी, गोपाल बजाज, रिधिमा आदि मौजूद रहे।

पुलिस टीम का जुड्डी व लिलोढ में दौरा, नशे से दूर रहने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने सोमवार को गांव जुड्डी व लिलोढ़ का दौरा किया और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत करवाया।

अनजान कॉल या मैसेज में बताए गए कैशबैक या इनाम के झांसे में न आएं

रेवाड़ी। एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कैशबैक, रिवाड्र्स पॉइंट्स और फ्री गिफ्ट के नाम पर बढ़ती साइबर ठगी की घटनाओं को लेकर नागरिकों को सतर्क किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी बैंक, ई-कॉमर्स कंपनियों, मोबाइल वॉलेट और नामी ब्रांड्स के नाम पर फर्जी कॉल, मैसेज, ई-मेल व सोशल मीडिया लिंक भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऑनलाइन ठग खुद को बैंक कर्मचारी, कस्टमर केयर अधिकारी या किसी नामी कंपनी का प्रतिनिधि बताकर कॉल या मैसेज करते हैं। वे दावा करते हैं कि आपके खाते में कैशबैक आया है, रिवार्ड पॉइंट्स एक्सपायर होने वाले हैं या किसी विशेष ऑफर का लाभ उठाने के लिए तुरंत प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

मांगों को लेकर प्रशिक्षु पटवारियों ने डीआरओ को सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। प्रशिक्षु पटवारियों ने सोवमार के अपनी मांगों को लेकर डीआरओ प्रदीप देशवाल को सीएम के नाम का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की गई है। प्रशिक्षु पटवारी सतपाल के नेतृत्व में पटवारी एकत्रित होकर जिला सचिवालय पहुंचे। पटवारियों को संबांधित करते हुए सतपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2005 के जनवरी माह में उनकी मांगों को लेकर ठोस आश्वासन दिए थे। इसके तहत प्रशिक्षण लेने के बाद पटवारियों को तुरंत ज्वाइनिंग कराने और प्रशिक्षण की अवधि के समय का वेतन देने की मांग स्वीकार की थी।

कोर ऑफ सिग्नल्स ने मनाया स्थापना दिवस

- पूर्व सैनिकों व वीरांगनाओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

भारतीय सेना की संचार व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली कोर ऑफ सिग्नल्स का 116वां कोर-डे गांव जुड्डी में उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेई सुनील कुमार यादव एक्स सर्विसमैन, कोर ऑफ सिग्नल्स ने की। इस अवसर पर कैप्टन कंवर सिंह यादव, हवलदार रतन सिंह, हवलदार रामचंद्र, हवलदार सुरेंद्र सिंह, सूबेदार रामअवतार और नायक बीरेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे। कैप्टन कंवर सिंह ने बताया कि कोर ऑफ सिग्नल्स को 15 फरवरी 1911 को भारतीय सेना में शामिल किया गया था। तब से अब तक हर युद्ध में इस कोर का अहम योगदान रहा है, जो थल सेना, नौसेना और वायुसेना को अटूट कम्युनिकेशन प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान टीम ने नया गांव जाटों वाला, बहाला, बव्वा, गढ़ी, कारोली, बिसौहा, नया गांव झलेरा, भड़ंगी, झोलरी, खुर्शीदनगर, कोहारड़, नाहड़, लिलोढ़, सुधराना और जुड्डी सहित 15 गांवों का दौरा किया तथा देश सेवा में समर्पित 35 पूर्व सैनिकों और 15 वीरांगनाओं को सम्मानित किया।

यादव सभा के हेल्थ कैंप में 90 मरीजों ने करवाई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 90 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, चर्म रोग, नेत्र रोग व स्त्री रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, रामसिंह, गोकल राम व प्रो. सतीश यादव ने सहयोग दिया।

सेवाभाव डीसी अभिषेक मीणा ने दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक यंत्र एवं उपकरण

164 लाभार्थियों को 252 सहायक उपकरण वितरित किए

दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रयासरत सरकार : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला प्रशासन एवं जिला रेडक्रास सोसायटी की ओर से सोमवार को बाल भवन में दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। डीसी अभिषेक मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर 164 लाभार्थियों को 93 लाख रुपये से अधिक की लागत के 252 सहायक उपकरण वितरित किए। इस मौके पर डीसी मीणा ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गंभीरता से प्रयासरत हैं। अरावली पावर कंपनी, एनटीपीसी लिमिटेड, एचपीजीसीएल और आईपीजीसीएल की ओर से सीएसआर के तहत दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही पुण्य का कार्य किया गया है। दिव्यांगजन अपने आप को असुरक्षित न समझे। दिव्यांगजन हिम्मत बनाए रखे, उनमें भी आम आदमी जितनी क्षमता है। डीसी ने रेडक्रास सोसायटी सचिव को निर्देश दिए कि जिन दिव्यांगजनों को पहले उपकरण उपलब्ध कराए जा चुके हैं, उनका सर्वे कराकर खराब हुए उपकरणों को दुरुस्त कराने को लेकर कार्य करें। एपीसीपीएल के महाप्रबंधक मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि कंपनी दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए हर समय प्रयासरत रहती हैं। कार्यक्रम में एपीसीपीएल की स्मृति व एलिम्को प्रबंधक मुणाल कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेवाड़ी। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित करते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

जांच शिवर का आयोजन

सचिव बिजेंद्र सौरोत ने बताया कि 22 दिसंबर से 24 दिसंबर 2025 तक ब्लॉक स्तर पर जांच शिविरों का आयोजन किया गया था। इन जांच शिविरों के तहत चिन्हित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए है। उन्होंने बताया कि सोमवार को 111 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, 16 फोल्डिंग व्हील चेयर, 38 बैसाखी, 21 वॉकिंग स्टिक छड़ी, 6 टीएलएम किट, 12 बीटीई कान की मशीन, 3 सीपी व्हील चेयर, 11 जॉयस्टिक, 2 रोलटोर, 12 वॉकर, 14 कृत्रिम अंग, 5 सुगम्य केन व एक कुशन वितरित किए गए है।

कैंप में विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व से अवगत करवाया

डहीना। विवेकानन्द पीजी कॉलेज डहीना की एनएसएस इकाई की ओर से सोमवार को गांव दड़ौली में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ किया गया। कॉलेज के निदेशक एडवोकेट सुधीर कुमार ने शिविर का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को भारत सरकार के स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के सपनों को साकार रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने भी स्वच्छता पर अपने विचार रखे। कॉलेज की एनएसएस कार्यकारी अधिकारी ज्योति मुद्गिल ने विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व से अवगत करवाया। शिविर के प्रथम दिन स्वयंसेवकों ने गांव के मंदिर परिसर की साफ-सफाई की।